केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 204 शनिवार 14 फरवरी 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ऑनलाइन ठगीः नर्स के खाते से उड़ाए 69 हजार रुपये

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। गायघाट स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत रानीनी राव (पत्नी विक्रम सिंह) के बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा 69 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली गई।

पीड़िता के अनुसार उनका खाता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बस्ती शाखा में है। 7 फरवरी 2026 को बिना किसी पूर्व जानकारी के उनके खाते से फोन-पे के माध्यम से 69,000 रुपये निकाल लिए गए। मोबाइल ऐप पर ट्रांजैक्शन का विवरण देखने पर पता चला कि उक्त धनराशि Vedansh Bhujdhal नामक खाते में ट्रांसफर की गई है। इस लेन–देन का UTR नंबर 737601376419 एवं ट्रांजैक्शन आईडी T2602071411454669953550 बताई गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता ने 8 फरवरी 2026 को साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। साथ ही साइबर क्राइम पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज की गई, जिसका एक्नॉलेजमेंट नंबर 33102260029833 है।

पीड़िता ने थाना कोतवाली, में प्रार्थना पत्र देकर संबंधित खाते के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया है कि ठगी की गई धनराशि 69,000 रुपये को शीघ्र उनके बैंक खाते में वापस दिलाया जाए।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साइबर सेल की मदद से ट्रांजैक्शन से जुड़े खातों की जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डी.एच.पी. द्वितीय वर्ष की वार्षिक परीक्षा सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। होम्योपैथिक मेडिसिन बोर्ड, लखनऊ द्वारा संचालित डी.एच.पी. (डिप्लोमा इन होम्योपैथिक फार्मेसी) के सत्र 2020–22 एवं 2023–25 की द्वितीय वर्ष की वार्षिक परीक्षा शुक्रवार को पटेल एस.एम.एच. हॉस्पिटल एंड आयुष पैरामेडिकल कॉलेज, गोटवा में सम्पन्न हुई।

कॉलेज के प्रबंधक डा. वी. के. वर्मा और निदेशक डा. आलोक रंजन वर्मा ने बताया कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों की सुविधा और अनुशासन का पूरा ध्यान रखा गया। प्राचार्य डा. गुलाब चन्द्र वर्मा के नेतृत्व में पूरी टीम ने परीक्षा को निर्विघ्न सम्पन्न कराने में सहयोग दिया।

9 से 13 फरवरी तक चली इस परीक्षा को शासन के कड़े निर्देशों के पालन और उच्च पारदर्शिता के साथ आयोजित किया गया। परीक्षा की निगरानी के लिए प्रशासन द्वारा विशेष टीम नियुक्त की गई थी, जिसमें जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. अशोक कुमार एवं मजिस्ट्रेट डॉ. मयंक विश्वकर्मा ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर शुचिता सुनिश्चित की। परीक्षा के सफल संचालन में नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार एवं डॉ. राजीव कौशल का विशेष पर्यवेक्षण रहा। इस अवसर पर कॉलेज स्टाफ से डा. मनोज कुमार, बृजेश सिंह, शिव प्रसाद चौधरी, अमरेश चौधरी, मनोज गुप्ता और मनीष चौधरी सहित अन्य सहायक कर्मचारी व्यवस्था में मुस्तैद रहे।

हर कोई शंकराचार्य नहीं लिख सकता

लखनऊ (आभा)। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब सीएम योगी ने दिया। उन्होने सरकार की उपलब्धियां और बजट की योजनाओं पर पक्ष रखा। साथ ही सपा पर एक के बाद एक कई हमले बोले। करीब 2 घंटा 13 मिनट बोले। साथ ही राज्यपाल के अभिभाषण पर संशोधन प्रस्ताव अस्वीकृत हो गया।

इससे पहले सवाल–जवाब के बीच टोका–टोकी करने से स्पीकर सतीश महाना भाजपा विधायक केतकी सिंह पर भड़क गए। उन्होंने कहा सदन चलाना मेरा काम है। गुस्से में उन्होंने हेडफोन निकालकर फेंक दिया। 10 मिनट के लिए सदन स्थगित करके कुर्सी से उठकर चले गए थे।

सीएम योगी ने कहा कि जो मुद्दा नहीं था, उसे जानबूझकर मुद्दा बनाया गया। क्या हर व्यक्ति मुख्यमंत्री बनकर प्रदेश में घूम जाएगा। कोई भी मंत्री का बोर्ड लगाकर घूम सकता है। क्या कोई भी सपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष का बोर्ड लगा सकता है। शंकराचार्य का पद सनातन में पवित्र माना जाता है। इस सदन की व्यवस्था आप देखते होंगे। परंपरा और नियमों से संचालित होता है। हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं लिख सकता। हर व्यक्ति आचार्य के रूप में जहां–तहां जाकर वातावरण खराब नहीं कर सकता है।

शंकराचार्य विवाद पर बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं लिख सकता है। कुछ मर्यादाओं का पालन सबको करना पड़ता है। अगर वो शंकराचार्य थे, तो फिर क्यों आप लोगों (सपा) ने लाठीचार्ज किया था। क्यों एफआईआर दर्ज की थी। आप नैतिकता की बात करते हैं। जहां साढ़े 4 करोड़ लोग आए हों वहां एग्जिट गेट से कोई मेला क्षेत्र में अंदर नहीं आ सकता है।

यूजीसी के नये नियमो के विरोध में मेधा का अनिश्चितकालीन धरना जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यूजीसी के नये नियमों को वापस लिये जाने की मांग को लेकर मेधा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी के नेतृत्व में गांधी कला भवन के स्थित बापू प्रतिमा के निकट अनिश्चितकालीन धरना जारी है। दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि जब तक यूजीसी का भेदभाव पैदा करने वाला कानून वापस नहीं लिया जाता मेधा का आन्दोलन जारी रहेगा।

मेधा पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष रुद्र आदर्श पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षा परिसरों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी नए नियमों के विरोध में अनिश्चित कालीन धरना बापू प्रतिमा के समक्ष लगातार तीन दिनों से जारी है।

बापू प्रतिमा के निकट अनिश्चितकालीन धरना के तीसरे दिन मुख्य रूप से सूर्य कुमार शुक्ल, रामरीका पाण्डेय, सत्य प्रकाश उपाध्याय, प्रतीक मिश्र, अंशू चौरसिया, उमेश गुप्ता, गिरीश चन्द्र गिरी, दीपक सिंह, उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', नागेन्द्र मिश्र गुड्डू, अमरनाथ यादव, विपुल पाण्डेय आदि शामिल रहे।

सफलता की कामना के साथ छात्राओं को दिया विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौतम बुद्ध मुरली देवी बालिका इण्टर कालेज में इण्टर मीडिएट छात्राओं के सुखद जीवन की कामना करते हुये छात्राओं के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। ये सभी छात्रायें हाई स्कूल और इण्टर की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होंगी।

विदाई समारोह की अध्यक्षता करते हुये प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने छात्राओं को मार्गदर्शन के साथ सफलता के टिप्स बताए। साथ ही उम्मीद जताई की परीक्षा में विद्यालय के सभी छात्रायें बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रौशन करेंगी। श्रीमती राजेश्वरी देवी, डायरेक्टर आलोक रंजन वर्मा, डा. चन्दा वर्मा, डा. सुरभि, विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय प्रकाश चौधरी आदि ने छात्राओं को परीक्षा में सफलता के महत्वपूर्ण सुझाव दिये। इस मौके पर छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम कर मन मोह लिया। विदाई के समय लोग भावुक हो गये।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कृष्णचन्द्र चौधरी, उमेश भारद्वाज, पारसनाथ चौधरी, गौरव पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार, आदित्य मिश्रा, जगजीवन राम, जगनरायन वर्मा, अमरेश चौधरी, आराधना पाण्डेय, अर्पणा मिश्रा, प्रमिला मिश्रा, रामभेज वरुण, सुनीता वर्मा, रीतू गुप्ता, शिवानी, छात्रायें ज्योति, अंशिका, उन्नति, साक्षी, रमा, दीपिका, राधा, सुप्रिया, स्वाती, शालू, अंशिका यादव के साथ ही बड़ी संख्या में छात्रायें और अभिभावक शामिल रहे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयन्ती पर हुये विविध आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डाली एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125 वीं जयन्ती अवसर पर 4 दिवसीय समारोह दुबौलिया बाजार के खुशहाल गंज में गरिमामय ढंग से मनाया गया।

समारोह में श्रीमती इंद्रवास सिंह और अमित कुमार सिंह ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सांस्कृतिक कार्यक्रम, गरीबों में कम्बल वितरण, मरीजों का फ्री हेल्थ चेकअप और रक्तदान शिविर जैसे कई सामाजिक कार्यक्रम आयोजित हुये। डाली एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष डाली सिंह ने बताया कि सोसायटी ने पिछले 4 वर्षों से लगातार महिला सशक्तिकरण, नारी उत्थान, मेडिकल कैम्प, गरीब बच्चों की पढ़ाई, गरीबों को राशन वितरण आदि कार्य किए हैं इसके अलावा, सोसायटी ने आने वाले दिनों में ग्रीन पर्यावरण के तहत पेड़–पौधे लगाए जाने, गांवों में मेडिकल कैम्प लगाकर महिलाओं को जागरुक करने जैसे कई कार्य करने की योजना बनाई है। यह कदम पर्यावरण की सुरक्षा और महिलाओं के सशक्तिकरण में मदद करेगा।

समारोह में बड़ी संख्या में लोगो ने हिस्सा लिया। संस्था की ओर से सुचारू व्यवस्था की गयी थी।

विधानसभा में आरक्षण को लेकर घमासान

लखनऊ (आभा)। विधानसभा में उस समय माहौल गरमा गया, जब नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के बीच आरक्षण के मुद्दे पर तीखी नोकझोंक हो गई। बहस के दौरान माता प्रसाद पांडेय द्वारा एक जातिगत शब्द के इस्तेमाल पर सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध दर्ज कराया।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को उस समय माहौल गरमा गया, जब नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के बीच आरक्षण के मुद्दे पर तीखी नोकझोंक हो गई। बहस के दौरान माता प्रसाद पांडेय द्वारा एक जातिगत शब्द के इस्तेमाल पर सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को दखल देना पड़ा। हस्तक्षेप करते हुए संबंधित आपत्तिजनक शब्द को कार्यवाही से हटाने के निर्देश दिए और सदन की मर्यादा बनाए रखने की अपील की। अध्यक्ष के आश्वासन के बाद स्थिति शांत हुई।

सदन में अपने भाषण के दौरान माता प्रसाद पांडेय ने कहा, 'हमने एक केवट से पूछा कि तुम ''' बनोगे? इस पर वह मुझ पर गुस्सा हो गया। कहा– मुझे क्यों? इस पर हमने कहा कि यही आपको बनाना चाह रहे हैं।' संजय निषाद पर तंज कसते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'निषाद समाज को आरक्षण क्यों नहीं दिला रहे हैं। मुख्यमंत्री जी अब तो संजय निषाद आप के साथ हैं अब इनके आरक्षण का मुद्दा समाप्त कर दीजिए। आरक्षण में मुझसे ज्यादा संघर्ष किसी ने नहीं किया है। यहां जो संजय निषाद बैठे हैं, उन्होंने भी नहीं, लेकिन हमेशा बोलते रहते हैं। समितियों की नीलामी कराने आप गए थे।'

विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने विधानसभा में उठाया सरकारी नौकरी, छात्रवृत्ति, रोजगार का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी के बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बजट सत्र के दौरान शिक्षा, सरकारी नौकरी, बेरोजगारी और रोजगार से जुड़े मुद्दे तारांकित प्रश्न के तहत विधानसभा में उठाया।

विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने श्रम एवं सेवा योजन मंत्री से पूंछा कि प्रदेश में बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिये वर्तमान में कौन–कौन सी योजनायें संचालित की जा रही हैं और 2 वर्षों में प्रदेश में कुल कितने बेरोजगार युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्रदान किया गया है। प्रश्न के उत्तर में श्रम एवं सेवा योजन मंत्री ने विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुये बताया कि सरकारी विभागों में नियमित भर्ती का कार्य विभिन्न गठित चयन आयोग, भर्ती बोर्डो आदि के माध्यम से किया जाता है।

इसी कड़ी में विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने तारांकित प्रश्न के तहत पिछड़ा वर्ग एवं कल्याण मंत्री से पूंछा कि अल्प आय वर्ग के छात्र–छात्राओं को दशमोत्तर और उच्च शिक्षण संस्थानों, व्यवसायिक एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों में शिक्षारत छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति दिये जाने पर विचार करेगी। प्रतिपूर्ति दिये जाने का मानक क्या है। क्या सरकार यह भी बतायेगी कि छात्र–छात्राओं के छात्र वृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिये अल्प आय के साथ–साथ अंक प्रतिशत भी लागू किये जाने से बड़े पैमाने पर छात्र शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। यदि हां तो क्या सरकार सामान्य वर्ग के छात्र–छात्राओं की भांति पिछड़ा वर्ग के छात्र–छात्राओं को भी मात्र अल्प आय के आधार पर दशमोत्तर एवं उच्च शिक्षण संस्थानों, व्यवसायिक एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों में शिक्षारत छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति दिये जाने की व्यवस्था है। नियमावली के प्राविधानों के अनुसार लाभान्वित किये जाने की कार्यवाही की जाती है।

विधायक महेन्द्रनाथ ने विधानसभा में बाबा साहब का उल्लेख करते हुये कहा कि शिक्षा लगातार मंहगी होती जा रही है। अभिभावक परेशान है ऐसे में आय की सीमा बढाकर 5 लाख रुपया किया जाय।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग नरेन्द्र कश्यप ने प्रश्नों का उत्तर देते हुये बताया कि छात्र–छात्राओं को उपलब्ध बजट की सीमा तक लाभान्वित कराये जाने की व्यवस्था है। नियमावली के प्राविधानों के अनुसार लाभान्वित किये जाने की कार्यवाही की जाती है।

स्वास्थ्य समस्याओं पर जागरूकता कार्यशाला में विमर्श

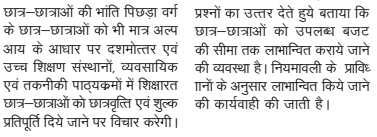

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मां गायत्री फाउन्डेशन व राष्ट्रीय सेवा योजना शिवहर्ष किसान पी.जी. कॉलेज की सुभाष चंद्र बोस इकाई एवं रानी लक्ष्मीबाई इकाई के संयुक्त तत्वाधान में जिला महिला चिकित्सालय बस्ती के सहयोग से विश्व यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य जागरूकता दिवस पर एक कार्यशाला का आयोजन शिव हर्ष किसान पी जी कॉलेज में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां गायत्री फाउंडेशन के प्रबंधक नीरज पाण्डेय, अध्यक्ष सुप्रिया पाण्डेय एवं डॉक्टर संतोष कुमार मौर्य द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुभाष चंद्र बोस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर त्रिलोकी नाथ द्वारा किया गया। स्टाफ नर्स बबीता मिश्रा द्वारा स्वयंसेवक सेविकाओं को यौन समस्याओं के प्रति जागरूक रहने के टिप्स दिए गए। साथ ही डॉक्टर संतोष कुमार मौर्य में भी स्वयं सेविकाओं को महिला के प्रति बिगड़ते स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं पर अपना वक्तव्य दिया।

कुछ स्वयं सेविकाओं ने स्वास्थ्य संबंधित प्रश्न किए, जिनके उत्तर स्टाफ नर्स बबीता मिश्रा एवं अध्यक्ष सुप्रिया पाण्डेय द्वारा दिया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों के साथ ही महाविद्यालय की अन्य छात्राएं एवं एन.सी.सी. की छात्राएं भी उपस्थित रही।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया एफ.एस.टी.पी. प्लांट का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नेहा वर्मा ने सिविल लाइन छोटी चांदमारी के निकट एफ.एस.टी.पी. 'फीकल स्लड्ज ट्रीटमेंट प्लांट' का विधिवत उद्घाटन किया गया। कहा कि आम जनमानस को संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखने और शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। नेहा वर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य बस्ती को स्वच्छ और स्वस्थ बनाना है। इस प्लांट के जरिए हम वैज्ञानिक पद्धति से गंदगी का निस्तारण करेंगे, जिससे संक्रामक बीमारियों पर लगाम लगेगी।

कहा कि अब मशीनों से कचरा का वैज्ञानिक निस्तारण होगा। इस प्लांट के शुरू होने से अब शहर से निकलने वाले फीकल स्लड्ज (सेप्टिक टैंक की गंदगी) का मशीनों के माध्यम से सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। इससे न केवल गंदगी से मुक्ति मिलेगी, बल्कि जल प्रदूषण और बीमारियों के खतरे में भी भारी कमी आएगी। नागरिकों की सुविधा के लिए नगर पालिका ने एक विशेष व्यवस्था शुरू की है। अब आम जनमानस टोल–फ्री नंबर 1533,14420 पर कॉल करके मशीन के माध्यम से अपने घरों के सेप्टिक टैंक की सफाई करवा सकते हैं। अब नागरिकों को निजी टैंकरों के भरोसे नहीं रहना होगा। नगर पालिका स्वयं 2300 की निर्धारित दर पर घरों से फीकल स्लड्ज कलेक्ट करने का कार्य करेगी। इस सुलभ सुविधा का उद्देश्य शहर के हर नागरिक को स्वच्छता के इस अभियान से जोड़ना है।

–अब वैज्ञानिक ढंग से होगा कचरों का निस्तारण

उद्घाटन अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा, समासद अमरावती देवी, राजन कुमार, रोली, इंद्रावती देवी,विद्यावती देवी, ममता,रविन्द्र कुमार, मो0 इद्रीश,मु0 अयूब,दिनेश गुप्ता,निर्मला देवी,मंजू श्रीवास्तव,निर्मला,पंकज कुमार चौधरी, अभिजीत सिंह, कृष्ण कुमार पाण्डेय,सर्वेश यादव, जगदीप श्रीवास्तव,कृष्ण कुमार, रुकसाइया ख़ातून,गौतम यादव,प्रफुल्ल श्रीवास्तव,परमेश्वर शुक्ला उर्फ पप्पू,शाहजहां,रमेश गुप्ता , सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अवधेश कुमार यादव, अवर अभियंता जल अर्चना कुमारी ,अमरेंद्र प्रताप सिंह मण्डल कार्यक्रम प्रबंधक सनी गौतम जिला कार्यक्रम प्रबंधक और प्रिया यादव (प्रोजेक्ट एनालिस्ट) आदि शामिल रहे।

कार्यक्रम में समस्त सफाई नायक एवं अन्य नगर पालिका कर्मचारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस नई व्यवस्था को सफल बनाने का संकल्प लिया।

यूजीसी के नये नियमों के समर्थन में कुर्मी महासभा ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय कुर्मी महासभा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर शुक्रवार को जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों, सदस्यों ने यूजीसी के नये नियमों के समर्थन में जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया यूजीसी के नए नियम उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसे पूरी तरह से लागू किया जाय।

ज्ञापन देने के बाद जिलाध्यक्ष डा. डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि यूजीसी भारत सरकार द्वारा स्थापित एक वैधानिक संस्था है। इसका मुख्य उद्देश्य देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, समान अवसर, पारदर्शिता और शैक्षणिक मानकों को बनाए रखना है। यूजीसी द्वारा निर्धारित नीतियां और दिशा–निर्देश समाज के सभी वर्गों के छात्रों को लाभ पहुंचाने का कार्य करते हैं। ऐसे में नये नियम बहु उपयोगी है।

भारतीय कुर्मी महासभा के प्रदेश संगठन सचिव आर.के. सिंह पटेल, मण्डल अध्यक्ष बद्री प्रसाद चौधरी, ई. के.सी. चौधरी, विद्यासागर चौधरी आदि ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि आयोग की नीतियां सामाजिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये संविधान में निहित समानता और शिक्षा के अधिकार को सशक्त करती हैं, साथ ही राष्ट्र निर्माण में शिक्षित युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करती हैं। इसके तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार अवसर मिलते हैं। यूजीसी के नए नियम उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में कारगर होगा, उसे लागू किया जाय।

प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौपने के दौरान कृपाशंकर, चौधरी, अशोक वर्मा, मायाराम चौधरी, अशोक चौधरी, लालचंद वर्मा, सुरेश चौधरी, घनश्याम चौधरी, डा. श्याम नरायन चौधरी, घनश्याम चौधरी, आज़ाराम चौधरी, मंशाराम चौधरी, अरविन्द चौधरी के साथ ही भारतीय कुर्मी महासभा के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 फरवरी 2026 शनिवार

सम्पादकीय

लापता होते लोग

देश भर में हर साल बड़ी संख्या में लोग लापता हो जाते हैं, जिनमें ज्यादातर बच्चे, महिलाएं और लड़कियां शामिल होती हैं। इस वर्ष जनवरी के पहले पखवाड़े में दिल्ली से आठ सौ से अधिक लोगों के लापता होने की खबरों ने इस मसले की गंभीरता को फिर से उजागर किया है। मगर हैरत की बात है कि इस आपराधिक समस्या से निपटने के लिए अब तक राष्ट्रीय स्तर पर कोई एकीकृत प्रयास होते नजर नहीं आए हैं। यहां तक कि लापता होने की घटनाएं और उनमें से कितने लोगों को ढूंढ़ लिया गया तथा ऐसे मामलों के पीछे किसका हाथ था, इसका एकीकृत राज्यवार ब्योरा भी मुश्किल से दर्ज हो पाता है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को इस मसले पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से कहा कि वह इस बात का पता लगाए कि देश के विभिन्न हिस्सों में बच्चों के लापता होने की घटनाओं के पीछे किसी देशव्यापी गिरोह या राज्य–विशिष्ट समूह का हाथ तो नहीं है। इसके लिए तमाम राज्यों से ऐसे मामलों की संख्या और कार्रवाई का ब्योरा संकलित कर उनका विश्लेषण करने का निर्देश भी दिया गया है।

गौरतलब है कि देश भर में बच्चों की गुमशुदगी के मामलों से संबंधित आंकड़ों के संकलन के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से एक पोर्टल बनाया गया है, जिस पर सभी राज्य ऐसी घटनाओं का ब्योरा दर्ज करा सकते हैं। मगर, इस प्रक्रिया में भी सरकारी तंत्र की उदासीनता साफ देखी जा सकती है। केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में खुद यह बात स्वीकार की है कि कुछ राज्यों ने लापता बच्चों और उनसे संबंधित अभियोजन से जुड़े आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं।

दरअसल, पिछले वर्ष दिसंबर में शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को लापता बच्चों के सिलसिले में छह साल के राष्ट्रव्यापी आंकड़े उपलब्ध कराने और ऐसे आंकड़ों के संकलन में राज्यों के साथ प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने को कहा था। इससे पहले राज्यों को बच्चों की गुमशुदगी के मामलों की निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति का निर्देश भी दिया गया था। इसके बावजूद अगर राज्यों की ओर से संबंधित ब्योरा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, तो इससे सरकारी तंत्र में व्यवस्थागत खामियों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

इसमें दोराय नहीं कि देश की राजधानी दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों में विशेषकर बच्चों, महिलाओं और लड़कियों के लापता होने की घटनाएं जितनी बड़ी संख्या में सामने आ रही हैं, उससे इस आशंका को दरकिनार नहीं किया जा सकता है कि इसके पीछे देशव्यापी या राज्य स्तरीय गिरोहों का हाथ हो सकता है। इसलिए इस बात की गहन जांच–पड़ताल जरूरी है कि लापता होने की ज्यादातर घटनाओं में किसी तरह कोई समानता तो नहीं है! मगर यह तभी संभव होगा, जब राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे मामलों से जुड़े आंकड़ों का संकलन हो पाएगा।

जानकारी के अनुसार 2016 से 2026 के बीच किए गए 10 साल के एनालिसिस में लापता लोगों की संख्या को लेकर एक चिंताजनक तस्वीर सामने आई है. इस दौरान राजधानी दिल्ली में कुल 2,32,737 लोग लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई. दिल्ली पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार, इनमें से करीब 1.8 लाख लोगों को ढूंढ लिया गया, लेकिन लगभग 52,000 मामले अब भी सुलझ नहीं पाए हैं. आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि हर साल लापता लोगों की संख्या लगातार बढ़ती गई है, और साल 2025 में सबसे ज्यादा महिलाएं लापता होने के मामले दर्ज किए गए.

इस मसले की गंभीरता का अंदाजा राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रपट से लगाया जा सकता है, जिसके मुताबिक, वर्ष 2023 में देश भर में आठ लाख से ज्यादा लोग लापता हुए थे। दिल्ली जैसे बड़े शहरों में यह समस्या ज्यादा गंभीर है। ऐसे में जरूरी है कि हर राज्य अपनी जिम्मेदारी को समझे और लापता होने के मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अगर कहीं कोई लापरवाही बरती जाती है, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए, ताकि व्यवस्था में आम लोगों का भरोसा कायम रह सके।

हर घर जल का वादा, अधूरा पड़ा सरकारी इरादा

—अखिल कुमार यादव—

30 जनवरी, 2026 को उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में एक असामान्य दृश्य देखने को मिला। चरखारी से सत्ताधारी दल भाजपा के विधायक बृजभूषण राजपूत ने अपने समर्थकों के साथ प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का काफिला बीच सड़क पर रोक लिया। मुद्दा थाकृ जल जीवन मिशन के अधूरे कार्य, पाइपलाइन बिछाने के बाद टूटी सड़कें, और कई गांवों में अब तक टोटी से जलापूर्ति शुरू न होना। सड़क पर हुई तीखी नोकझोंक के बाद प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा और मंत्री को अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा करनी पड़ी। यह घटना केवल एक राजनीतिक टकराव नहीं थीय यह उस खाई को उजागर करती है जो कागजों पर चल रही योजनाओं और जमीन पर दिखती वास्तविकता के बीच बन जाती है, जब लोगों की बुनियादी जरूरतें अधूरी रह जाती हैं।

महोबा की यह घटना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बताती है कि जब योजनाओं का लाभ समय पर नहीं पहुंचता, तो स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी अपने ही मंत्रियों से सार्वजनिक रूप से जवाब मांगना पड़ता है। यही संदर्भ जब जनपद बस्ती के विकास खंड बस्ती सदर की ग्राम पंचायत मरहा पर रखा जाता है, तो तस्वीर चौंकाने वाली समानता के साथ सामने आती है। यहाँ भी योजना वही है, आश्वासन वही है, लेकिन परिणाम अब तक अधूरा है।

मरहा में अक्टूबर, 2023 में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल परियोजना शुरू हुई थी। उद्देश्य स्पष्ट थाकृहर घर तक नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाना। शुरुआती दिनों में निर्माण कार्य तेजी से शुरू हुआ। गांव के बीच गहरा गड्ढा खोदा गया, ओवरहेड टंकी के लिए पिलर खड़े किए गए और गलियों में पाइपलाइन बिछाने का काम हुआ। ग्रामीणों ने सोचा कि थोड़ी असुविधा के बाद उन्हें स्थायी सुविधा मिलने वाली है। मशीनों की आवाज, मजदूरों की हलचल और खोदी जा रही सड़कों के बीच लोगों को उम्मीद थी कि कुछ महीनों में उनके घर के आंगन तक पानी की धार पहुंचेगी। लेकिन समय बीतता गया और निर्माण की रफ्तार धीमी पड़ती गई। फरवरी 2026 तक आते–आते स्थिति यह है कि टंकी अधूरी खड़ी है, गड्ढा जस का तस है, सड़कें टूटी हैं और जलापूर्ति अब भी शुरू नहीं हुई है। 25 सितम्बर, 2023 को शुरू हुए इस कार्य की एक समयरेखा स्वयं कहानी कह देती है। 2023 के अंत तक गड्ढा और पिलर बन गए। 2024 में पाइपलाइन बिछी और सड़कों को खोदा गया। 2025 में निर्माण लगभग ठहर गया। और 2026 में गांव अब भी हैंडपंप पर निर्भर है। लगभग ढाई वर्ष बीत जाने के बाद भी योजना धरातल पर अधूरी पड़ी है।

करीब 2500 की आबादी वाले ग्राम पंचायत मरहा में आज भी लोग हैंडपंप से पानी भरते दिखाई देते हैं। सुबह और शाम हैंडपंप के पास कतारें लगती हैं। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्गकृ सभी बारी का इंतजार करते हैं। पाइपलाइन डालने के बाद कई स्थानों पर सीसी रोड और इंटरलॉकिंग मार्गों को क्षतिग्रस्त किया गया, लेकिन उनकी मरम्मत मानक के अनुरूप नहीं हुई। कई जगह सड़कें धँस रही हैं, इंटरलॉकिंग उखड़ रही है और बरसात में कीचड़ के कारण आवागमन मुश्किल हो जाता है। जो काम सुविधा देने के लिए शुरू हुआ था, उसने असुविधा को स्थायी रूप दे दिया है।

निर्माण स्थल का गहरा गड्ढा अब सुरक्षा के लिहाज से खतरा बन चुका है। बरसात में यह पानी से भर जाता है और तालाब जैसा रूप ले लेता है। आसपास रहने वाले लोग लगातार भय में रहते हैं कि कहीं कोई बच्चा या पशु उसमें गिर न जाए। ग्रामीण बताते हैं कि कई बार अस्थायी घेराबंदी की गई, लेकिन समय के साथ वह भी हट गई। रात के समय यह स्थान और भी जोखिम भरा हो जाता है।

इस अधूरी परियोजना का असर केवल पानी तक सीमित नहीं है। ग्राम पंचायत में प्रस्तावित इंटरलॉकिंग और सीसी रोड निर्माण कार्य भी रुक गए हैं। ग्राम पंचायत नई सड़कों को बनवाने का जोखिम इसलिए नहीं उठा पा रही है क्योंकि आशंका बनी रहती है कि जल जीवन मिशन के अधूरे कार्य के कारण भविष्य में फिर खुदाई हो सकती है। एक अधूरी योजना ने पूरे ग्राम विकास की गति को रोक दिया है। स्कूल जाने वाले बच्चों को टूटी सड़कों से गुजरना पड़ता है, मरीजों को अस्पताल ले जाने में दिक्कत होती है, और बरसात के दिनों में गांव के कई हिस्से कीचड़ में तब्दील हो जाते हैं।

योजना के दस्तावेज बताते हैं कि इसकी लागत ध्226.31 लाख है। कार्यदायी संस्था उ.प्र. जल निगम (ग्रामीण), बस्ती है और कार्यदायी फर्म JAKSON VISHVARAJ (JV) दर्ज है। वितरण प्रणाली की लंबाई 13.444 किलोमीटर और अवर जलाशय की क्षमता 150 किलोलीटर, ऊंचाई 14 मीटर प्रस्तावित है। कागजों पर योजना व्यवस्थित, संतुलित और तकनीकी रूप से सक्षम दिखती है, लेकिन जमीन पर अधूरी टंकी और धँसी सड़कें एक अलग कहानी कहती हैं।

सबसे बड़ा सवाल योजना विवरण में दर्ज ष्वर्तमान लाभान्वित जनसंख्या 620 को लेकर उठता है। जब टंकी अधूरी है और जलापूर्ति शुरू नहीं हुई, तो ये 620 लोग कैसे लाभान्वित हो रहे हैं? यह आंकड़ा स्वयं निगरानी, रिपोर्टिंग और प्रगति आकलन की व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। क्या यह कागजी प्रगति है? या कहीं और से अस्थायी आपूर्ति को लाभान्वित दिखाया गया है? ग्रामीणों के अनुभव इस दावे से मेल नहीं खाते।

यदि योजना और वास्तविकता की तुलना की जाए तो अंतर स्पष्ट है। योजना कहती हैकृहर घर नल से जल। मरहा में लोग हैंडपंप पर हैं। योजना कहती है सड़क बहाली। यहां सड़कें धँसी हैं। योजना कहती है समय पर पूर्णता। यहां ढाई वर्ष बाद भी निर्माण अधूरा है। योजना कहती हैकृसुरक्षित पेयजल। यहां लोग पुराने स्रोतों पर निर्भर हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि शुरू में अधिकारियों और ठेकेदारों की आवाजाही नियमित थी। निरीक्षण होते थे, आश्वासन दिए जाते थे। लेकिन जैसे–जैसे समय बीता, निगरानी कम होती गई और काम की रफ्तार भी घटती गई। अब कभी–कभार कोई कर्मचारी आता है, स्थिति देखता है और चला जाता है। ग्रामीणों को यह समझ नहीं आता कि काम रुका क्यों हैकृतकनीकी कारणों से, भुगतान में देरी से, या प्रशासनिक शिथिलता से।

महोबा की घटना यह संकेत देती है कि जब योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिलता, तो जनप्रतिनिधियों को भी मंत्री स्तर पर सवाल उठाने पड़ते हैं। मरहा के ग्रामीणों को भी उम्मीद है कि उनकी समस्या पर इसी गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा। वे आश्वासन से आगे बढ़कर कार्य की वास्तविक शुरुआत देखना चाहते हैं। संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कहते हैं कि शेष कार्य शीघ्र शुरू कराया जाएगा और टंकी बनते ही जलापूर्ति शुरू होगी। लेकिन ग्रामीण अब शब्दों से अधिक काम देखना चाहते हैं।

यह स्थिति प्रशासनिक समन्वय की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। जलापूर्ति, सड़क मरम्मत, सुरक्षा घेराबंदी, और गुणवत्ता निरीक्षण ये सभी अलग–अलग जिम्मेदारियां हैं, लेकिन परिणाम एक ही हैरु गांव की सुविधा। जब तक इन सबके बीच तालमेल नहीं होगा, अधूरे काम लोगों की परेशानी बढ़ाते रहेंगे।

मरहा की यह स्थिति केवल एक गांव की कहानी नहीं है। यह उस अंतर को उजागर करती है जो योजना की मंशा और क्रियान्वयन के बीच पैदा हो जाता है। लोग योजना के खिलाफ नहीं हैं वे चाहते हैं कि यह योजना सफल हो। वे चाहते हैं कि गड्ढा टंकी बने, टंकी पानी दे, सड़कें समतल हों और ष्हर घर जलष् का सपना सच में हर घर तक पहुंचे। आज मरहा उस दिन की प्रतीक्षा कर रहा है जब अधूरी खड़ी टंकी गांव की प्यास बुझाएगी, जब हैंडपंप की कतारें घटेंगी, जब सड़कों पर धँसाव नहीं होगा और जब बरसाती पानी से भरा गड्ढा नहीं, बल्कि स्वच्छ जल की धारा हर आंगन तक पहुंचेगी। तब शायद यह गांव कह सकेगा कि जल जीवन मिशन सच में उनके जीवन का हिस्सा बना कागजों में नहीं, जमीन पर।

अखिलेश बढ़ाएंगे पीडीए का दायरा,

—संजय सक्सेना—

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अपनी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति को और मजबूत करने में जुटे हैं। पार्टी का मुस्लिम वोट बैंक, जो कभी मुलायम सिंह यादव का सबसे मजबूत किला था, हाल के उपचुनावों में कमजोर पड़ा दिखा, जिसके बाद अखिलेश ने खुलकर मुस्लिम समुदाय को लक्षित करने वाली राजनीति शुरू कर दी है। 2024 के उपचुनावों में मुस्लिम बहुल सीटों पर मिली हार ने सपा को झकझोर दिया, जहां ओवैसी की एआईएमआईएम और कांग्रेस जैसे दल मुस्लिम वोटों में सेंध लगा रहे हैं। अखिलेश ने इसके जवाब में दूसरी पीढ़ी के युवा मुस्लिम नेताओं को आगे बढ़ाने का मेगा प्लान बनाया है। सलीम इकबाल शेरवानी को पश्चिमी यूपी और अताउर्रहमान को पूर्वांचल व रुहेलखंड में मुस्लिम मिशन की कमान सौंपी गई है, जो समाजवादी सद्भावना संवाद जैसे कार्यक्रमों के जरिए समुदाय से सीधा संवाद कर रहे हैं। रामपुर में आजम खान के परिवार से हालिया मुलाकात इसका जीता–जागता प्रमाण है, जहां अखिलेश ने मुस्लिम मतदाताओं की सियासी ताकत को फिर से एकजुट करने का संकल्प जताया।

सपा अब केवल मुस्लिम वोटों तक सीमित नहीं रहना चाहती। पार्टी की नजरें पीडीए समीकरण को व्यापक बनाने पर हैं, जिसमें यादव के अलावा अन्य पिछड़ी जातियां जैसे कुर्मी, मौर्य, जाट, गुर्जर, केवट, मल्लाह, राइथ, कोइरी, निषाद, बिंद, कश्यप और गहमरी जैसी जातियों पर केंद्रित हैं। दलित समाज में जाटव, पासी, रविदास, धोबी, कोरी, वाल्मीकि और अन्य उपजातियों को लुभाने के लिए छोटे–मझोले नेताओं को पार्टी में शामिल किया जा रहा है। ओबीसी वोटों को मजबूत करने के लिए सपा ने संगठन में बड़े बदलाव शुरू किए हैं, जहां निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाकर सक्रिय कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर जिम्मेदारी दी जा रही है। अखिलेश का फोकस 360 से अधिक सीटें जीतने पर है, इसलिए टिकट वितरण में पीडीए समीकरण को प्राथमिकता मिलेगी। पार्टी प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने स्पष्ट कहा कि सपा सभी जातियों–धर्मों को साथ लेकर पीडीए को मजबूत करेगी।

> **सपा अब केवल मुस्लिम वोटों तक सीमित नहीं रहना चाहती। पार्टी की नजरें पीडीए समीकरण को व्यापक बनाने पर हैं, जिसमें यादव के अलावा अन्य पिछड़ी जातियां जैसे कुर्मी, मौर्य, जाट, गुर्जर, केवट, मल्लाह, राइथ, कोइरी, निषाद, बिंद, कश्यप और गहमरी जैसी जातियों पर केंद्रित हैं। दलित समाज में जाटव, पासी, रविदास, धोबी, कोरी, वाल्मीकि और अन्य उपजातियों को लुभाने के लिए छोटे–मझोले नेताओं को पार्टी में शामिल किया जा रहा है। ओबीसी वोटों को मजबूत करने के लिए सपा ने संगठन में बड़े बदलाव शुरू किए हैं,।**

उधर, पार्टी में बड़े मुस्लिम नेताओं को भी शामिल करने की चर्चा भी जोर पकड़ रही है। अखिलेश यादव नसीमुद्दीन सिद्दीकी जैसे पूर्व बसपा नेता को लुभा सकते हैं, जिनकी कांग्रेस में असंतोष की खबरें हैं। इसके अलावा इमरान मसूद जैसे कांग्रेस के मुस्लिम चेहरों पर नजर है, जिनकी राजनीति को सपा ने काटने की रणनीति अपनाई है। आजम खान के करीबी और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को फिर से सक्रिय करने की कोशिशें तेज हैं। सलीम शेरवानी और अताउर्रहमान जैसे मौजूदा नेता तो पहले से ही मिशन पर हैं, लेकिन पार्टी में और युवा मुस्लिम चेहरों को लाने की योजना है।

इसी तरह से पिछड़े और दलित समाज से भी कई नाम चर्चा में हैं। ओबीसी में पूर्व बीजेपी विधायक जैसे कुर्मी या मौर्य समुदाय के नाराज नेता सपा की हिट लिस्ट में हैं, जो सत्ताधारी दल से असंतुष्ट हैं। दलित पक्ष में बसपा से टूटे छोटे नेता जैसे जाटव या पासी समुदाय के प्रभावशाली चेहरे, जिनके इलाकों में समीकरण बदल रहे हैं, उन्हें जोड़ने की कोशिश हो रही है। सपा कोर कमेटी ऐसे नेताओं पर डोर डाल रही है जो बूथ स्तर पर वोटर मैनेज कर सकें। हालांकि, विशिष्ट नामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में हरिशंकर तिवारी जैसे प्रभावशाली नेताओं के परिवार या बसपा के असंतुष्ट दलित चेहरों की चर्चा आम है।

वहीं 2027 चुनाव के लिए गठबंधन की रणनीति पर अखिलेश सबसे सतर्क हैं। सबसे मजबूत संभावना कांग्रेस के साथ है, लेकिन हालिया उपचुनावों में गठबंधन की असफलता के बाद यह सीमित सीटों तक रह सकता है। उधर, बसपा के साथ गठबंधन की चर्चा फिर से गरमाई हुई है, क्योंकि मायावती मुस्लिम वोट तोड़ने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, अखिलेश निर्दलीय लड़ने या छोटे दलों जैसे अपना दल (कमेरावादी), निषाद पार्टी या महान दल के साथ सीट बंटवारे पर विचार कर रहे हैं, ताकि पीडीए वोट बिखरे नहीं। जबकि ओवैसी की पार्टी को चुनौती देने के लिए सपा अकेले मुस्लिम बहुल सीटों पर फोकस करेगी। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अखिलेश मुलायम मॉडल अपनाकर मुस्लिम–यादव गठजोड़ को बचाएंगे, लेकिन ओबीसी–दलित विस्तार ही सत्ता की कुंजी है।

सपा का यह खुला खेल बीजेपी के लिए चुनौती है, जो हिंदुत्व कार्ड खेल रही है। लेकिन अखिलेश की सक्रियता से विपक्ष में हलचल तेज है। अगर मुस्लिम वोट बैंक सहेज लिया और पीडीए मजबूत हुआ, तो 2027 में यूपी की सत्ता का स्वरूप बदल सकता है। पार्टी अब वोटर लिस्ट अभियान चला रही है, खासकर मुस्लिम इलाकों में नाम जुड़वाने पर जोर है। अखिलेश की हालिया बैठकें और संगठनात्मक मंथन मुस्लिम नाराजगी दूर करने पर केंद्रित रहे हैं, जहां ओवैसी के बढ़ते जनाधार को चुनौती देने की रणनीति बनी। कुल मिलाकर, सपा 2027 के लिए आक्रामक मोड में है, जहां मुस्लिम राजनीति को खुलकर खेला जा रहा है, लेकिन पिछड़े–दलित वोटों का विस्तार ही असली दांव है। यह रणनीति सफल हुई तो अखिलेश यादव फिर से सीएम हाउस की दहलीज पर होंगे।

बजट का गणित और जमीनी हकीकत

—सौरभ वीपी वर्मा—

उत्तर प्रदेश सरकार ने पंचायती राज विभाग के लिए 32,090 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह एक बड़ा वित्तीय आवंटन है, लेकिन किसी भी बजट की असली परीक्षा उसकी घोषणा में नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन में होती है।

अगर इस राशि को प्रदेश के 75 जिलों में औसतन विभाजित किया जाए तो प्रति जिले के हिस्से लगभग 427.87 करोड़ रुपये आते हैं। वहीं 58,189 ग्राम पंचायतों के स्तर पर गणना करें तो हर ग्राम पंचायत को औसतन करीब 55.15 लाख रुपये मिल सकते हैं।

यह आंकड़ा बताता है कि संसाधन की कमी हमेशा बहाना नहीं हो सकती प्रश्न यह है कि प्राथमिकताएं क्या तय होती हैं और धन किस प्रक्रिया से खर्च होता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पेयजल, नाली, सड़क, स्ट्रीट लाइट, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, आंगनबाड़ी भवन, विद्यालयों की मरम्मत और तालाब संरक्षण जैसी बुनियादी आवश्यकताएं अधूरी हैं। ऐसे में प्रति ग्राम पंचायत 55 लाख रुपये का औसत आवंटन अगर सुविचारित योजना के तहत खर्च हो, तो बदलाव संभव है। लेकिन अनुभव यह भी बताता है कि धनराशि का बड़ा हिस्सा प्रक्रियागत देरी, तकनीकी उलझनों, कमीशनखोरी या अपूर्ण परियोजनाओं में उलझ जाता है।

पंचायती राज की संरचना ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत दरअसल विकेंद्रीकरण की अवधारणा पर आधारित है। लेकिन व्यवहार में अक्सर समन्वय की कमी, जवाबदेही का अभाव और निगरानी तंत्र की कमजोरी विकास की रफ्तार को प्रभावित करती है। कई बार योजनाएं स्थानीय जरूरतों के बजाय कागजी प्राथमिकताओं के आधार पर चुनी जाती हैं।

सबसे अहम कड़ी ग्राम सभा है, जिसे निर्णय की मूल इकाई माना गया है। यदि ग्राम सभा की बैठकों को औपचारिकता से आगे बढ़ाकर वास्तविक भागीदारी का मंच बनाया जाए, तो खर्च की दिशा और गुणवत्ता दोनों सुधर सकती हैं। सोशल ऑडिट, सार्वजनिक सूचना बोर्ड और ऑनलाइन खर्च विवरण जैसी व्यवस्थाएं पारदर्शिता बढ़ा सकती हैं बशर्ते उनका पालन ईमानदारी से हो। बजट का यह प्रावधान अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि संसाधन उपलब्ध हैं। चुनौती इसलिए कि जनता तक उसका लाभ किस हद तक और किस गुणवत्ता में पहुंचता है, यह अभी भी व्यवस्था की कार्यशैली पर निर्भर करेगा।

अंततः सवाल यह नहीं है कि कितनी राशि स्वीकृत हुई, बल्कि यह है कि गांव के आम नागरिक के जीवन में उससे कितना ठोस परिवर्तन दिखाई देता है। बजट और जनता के बीच की दूरी जितनी कम होगी, विकास उतना ही वास्तविक माना जाएगा।

स्कूल में घुसे तीन संदिग्धों ने की बच्चे को पकड़ने की कोशिश, शोर मचते ही मची अफरा–तफरी

संवाददाता–कुशीनगर। कसया के नटवलिया जूनियर हाईस्कूल परिसर में शुक्रवार की सुबह 9.30 बजे मास्कधारी तीन संदिग्धों ने घुसकर एक चार वर्ष के बच्चे को बांध कर पकड़ने का प्रयास किया। साथ के अन्य बच्चे शोर मचाए तो वह चहारदीवारी फांद कर भाग गए। पूरे गांव में घटना को लेकर अफरा–तफरी मच गई। बच्चा सामान्य परिवार का बताया जाता है। स्वजनों ने किसी से दुश्मनी या वाद–विवाद होने से इंकार किया है। पुलिस घटना को स्कूल में लगे महंगे स्मार्ट टीवी प्रोजेक्टर की चोरी के प्रयास से जोड़ कर जांच पड़ताल कर रही है। विद्यालय परिसर में ही आंगनबाड़ी केंद्र संचालित होता है।

सुबह 9.30 बजे आंगनबाड़ी में पढने वाले आधा दर्जन बच्चे विद्यालय में पहुंच गए थे। इसी दौरान मुंह पर मास्क लगाए तीन संदिग्ध अंदर घुसे और चार वर्षीय अर्पित नामक बच्चे का हाथ, पैर बांध दिया। साथ के बच्चे यह देखकर घबरा गए और शोर मचाए तो तीनों संदिग्ध फरार हो गए। बच्चों का शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। उन्होंने बच्चे का बंधन खोला। कुछ ही देर में यह बात गांव में फैली तो अफरा–तफरी मच गई। यह सब चल ही रहा था कि सुबह 10 बजे आंगनबाड़ी की सहायिका हेमंती देवी एवं सहायक अध्यापिका प्रिया सिंह विद्यालय में पहुंची। उन्होंने घटना के समय मौजूद सुमित, परिधि, दीपिका, अंशिका आदि बच्चों से घटना की जानकारी प्राप्त कर पुलिस को सूचित किया। संदिग्धों द्वारा बांधा गया बच्चा सामान्य परिवार का है। उसके पिता धनेश गोंड ने किसी से भी दुश्मनी एवं वाद–विवाद से इंकार किया।

बता दें कि जूनियर हाईस्कूल में बच्चों के पढ़ने के लिए चार लाख रुपये कीमत की बड़ी स्मार्ट टीवी एवं प्रोजेक्टर लगा है। पुलिस उसी के चोरी के प्रयास से घटना को जोड़ कर जांच कर रही है। हल्का दारोगा रघुनाथ गौतम ने बच्चों, आंगनबाड़ी सहायिका एवं शिक्षिका से घटना के बावत जानकारी प्राप्त की है। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने भी स्कूल में पहुंच कर सीसी कैमरा लगवाने के लिए उच्चाधिकारियों से वार्ता की। थानाध्यक्ष अभिनव मिश्र ने बताया कि घटना स्थल पर पुलिस टीम भेजी गई थी। विद्यालय में मास्कधारी तीन संदिग्धों के घुसने और एक बच्चे को बांधने, डराने का मामला सामने आया है। विद्यालय में महंगा टीवी प्रोजेक्टर लगा है। संभव है कि संदिग्ध उसे चुराने के लिए ही विद्यालय में घुसे हों। पुलिस सभी तथ्यों की जांच कर रही है।

परिषदीय विद्यालय खुलने का समय सुबह 10 बजे निर्धारित है, लेकिन आधा घंटा पूर्व ही यानि 9.30 बजे विद्यालय खुल गया था। बताते हैं कि विद्यालय की चाभी शिक्षा मित्र अनिल प्रताप राव के पास रहती है। स्कूल में पढ़ने वाले एक लड़के को चाभी देकर उन्होंने ही विद्यालय खोलवाया था। गांव के कुछ लोग घटना में विद्यालय के जिम्मेदारों की जवाबदेही पर भी सवाल खड़ा कर रहे हैं।

ट्रेन से कटकर हुई थी तौल केंद्र बाबू की मौत, परिजनों ने लगाया था हत्या का आरोप

संवाददाता–गोण्डा। जिले में जरवल चीनी मिल के तौल केंद्र बाबू रवि दत्त सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर के पोस्टमार्टम रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। रवि दत्त सिंह की हत्या नहीं की गई थी बल्कि उनकी मौत ट्रेन से कटकर हुई थी।

हुए पोस्टमार्टम की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है जिसमें ट्रेन से काटकर मौत होने की पुष्टि हुई है। परिजनों ने इससे पहले घटना स्थल पहुँचकर हत्या की आशंका जताई थी इसके बाद हत्या की बिंदुओं पर भी करनैलगंज कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी। दरअसल कल 58 वर्षीय रवि दत्त सिंह का शव करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के चंगेरिया गांव के पास रेलवे गुमटी के नजदीक रेलवे लाइन पर मिला था। उनका सिर और धड़ अलग–अलग था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। बिबियापुर अबधूत नगर निवासी रवि दत्त सिंह के परिजनों ने शुरुआत में हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया था। इसके बाद करनैलगंज कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ है कि रवि दत्त सिंह की मौत ट्रेन से कटने के कारण हुई है। रिपोर्ट में हत्या से संबंधित कोई पुष्टि नहीं हुई है। करनैलगंज कोतवाली पुलिस ने मृतक के बड़े बेटे इंजीनियर गुड्डू सिंह को बुलाकर घटनाक्रम की जानकारी दी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सौंपी। रवि दत्त सिंह जरवल चीनी मिल के गन्ना तौल केंद्र लालेनअ में प्रभारी थे। उनके दो बेटे और एक बेटी है। बड़ा बेटा गुड्डू सिंह इंजीनियर है, जबकि छोटा बेटा सौरभ सिंह पढ़ाई कर रहा है। बेटी की शादी हो चुकी है। करनैलगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि रवि दत्त सिंह की हत्या नहीं हुई थी, बल्कि उनकी मौत ट्रेन से कटकर हुई है। परिजनों की आशंका के आधार पर जांच की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से परिजन संतुष्ट हैं। पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है, जिसके बाद वे अंतिम संस्कार के लिए शव को घर ले गए है।

स्वयं अपने आशियाने पर लोग चला रहे हथौड़ा

संवाददाता–बलरामपुर। हरैय्या तिराहे से निर्माणाधीन ओवरब्रिज तथा देवीपाटन क्षेत्र के सिरिया नाले से शुगर फैक्ट्री क्षेत्र के नकटी नाले तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण को लेकर प्रशासन का अतिक्रमण हटाओ अभियान तेज हो गया है। प्रशासन की ओर से 48 घंटे की समय सीमा दिए जाने के बाद प्रभावित लोगों ने स्वयं अपने पक्के निर्माण हटाने शुरू कर दिए हैं। बुधवार को नायब तहसीलदार शिवेंद्र पटेल के नेतृत्व में पुलिस बल की मौजूदगी में सड़क के मध्य से दोनों ओर लगभग 15 फीट तक बाहरी अतिक्रमण हटाया गया। शुक्रवार को इसका असर तुलसीपुर में देखने को मिला। चारों ओर लोगों में अफरा तफरी का माहौल देखने को मिला।

प्रशासन का कहना है कि पूर्व में कई बार नोटिस देकर अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी जा चुकी थी। सांकेतिक रूप से बुलडोजर चलाए जाने के बाद लोगों ने शुक्रवार को समय सीमा समाप्त होने से पहले ही अतिक्रमण की जद में आ रहे अपने मकानों को गिराना शुरू कर दिया है।

वीसी से डीएम ने उपस्थिति जांची तो खुल गई पोल, 9 गैरहाजिर मिले

संवाददाता–महराजगंज। डीएम संतोष कुमार शर्मा ने शुक्रवार को सुबह 10.10 बजे जिला स्तरीय, तहसील स्तरीय व ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति परखी। अचानक वीसी के माध्यम से सबको आनलाइन किया तो नौ अधिकारी गैर हाजिर मिले। इस पर सख्ती दिखाते हुए डीएम ने नियमित रूप से जनसुनवाई करने का निर्देश दिया। हिदायत दी कि आगे ऐसा होने पर कार्रवाई तय है। जिलाधिकारी ने वीसी कर एक–एक अधिकारी का नाम लेकर कार्यालय में उनकी उपस्थिति को वीडियो कॉल के माध्यम से जांचा। इस दौरान बीडीओ लक्ष्मीपुर, धानी व परतावल अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार जिलास्तरीय अधिकारियों में डीसी राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, उपनिदेशक कृषि, जिला उद्यान अधिकारी, डायट प्राचार्य, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, डीसी राज्यकर वीसी में नहीं मिले।

जिलाधिकारी ने समस्त अनुपस्थित अधिकारियों को स्पष्टीकरण जारी करते हुए निर्देशित किया है कि शासन की मंशा के अनुरूप अधिकारी अनिवार्य रूप से 10.00 बजे से 12.00 तक अपने कार्यालय में बैठकर जनसुनवाई करें। आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि जनपद में आमजन की शिकायतों का निस्तारण शीर्ष प्राथमिकता है। अधिकारी कार्यालय समय से आएं और जनसुनवाई को गंभीरता से लें। जनसुनवाई में शिथिलता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी आकस्मिक रूप से अधिकारियों के उपस्थिति की जांच वीसी के माध्यम से की जाती रहेगी।

दादी संग सो रहे बच्चे का सिर जंगली जानवर ने नोंचा, गंभीर हालत में मासूम लखनऊ रेफर

संवाददाता–बहराइच। रुपईडीहा वन रेंज के बसंतपुर उदल के मजरे रामनगर गांव में गुरुवार की देर रात टीन शेड मकान के खुले आंगन में दादी के पास सो रहे बालक के सिर पर किसी वन्यजीव ने सिर पर हमला किया। जिसके चलते मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। दादी के शोर पर वन्यजीव भाग गया। घायल को सीएचसी से मेडिकल कॉलेज, फिर लखनऊ रेफर कर दिया गया। गांव में दहशत है। सूचना पर पहुंची वन महकमे की टीम काम्बिंग कर रही है। रुपईडीहा थाने के बसंतपुर उदल रामनगर गांव निवासी श्याम उर्फ रघुनंदन मिश्रा (6) पुत्र अजय कुमार मिश्रा गुरुवार रात लगभग तीन बजे अपनी दादी के साथ घर के टीन शेड स्थित आंगन में चारपाई पर सोया हुआ था। इसी दौरान आंगन में घुसे बड़े वन्यजीव ने बालक की सिर पर नुकीले पंजे से हमला कर खींचा। तो सिर का ऊपरी हिस्सा खिंचा चला गया। बालक की घुटी चीख से दादी की नींद खुल गई। उनके शोर पर हिंसक वन्यजीव और आसपास के भाग लिया। आधी रात में हुई इस घटना पर आसपास के ग्रामीण लाठी डंडे लेकर दौड़ पड़े। गंभीरावस्था में मासूम को बाबागंज सीएचसी लाए जाने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज कर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सूचना पर पहुंची वन व पुलिस महकमे की टीम ने वन्यजीव की तलाश में कांबिंग शुरू कर दी है। उधर मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने बालक की हालत काफी गंभीर बनी हुई देख लखनऊ केजीएएमयू रेफर कर दिया है।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत गरजे कांग्रेसी, निकाली पदयात्रा

संवाददाता–महराजगंज। कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर शुक्रवार को मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत निचलौल में कांग्रेसियों ने एक पदयात्रा निकाली। पदयात्रा निचलौल क्षेत्र के राष्ट्रीय इंटर कॉलेज बाली से शुरू होकर कस्बे के तहसील गेट चौराहा, मुख्य तिराहा होते हुए मंडी समिति निचलौल पर जाकर एक सभा में तब्दील हो गई। इस दौरान कांग्रेसी सरकार पर खूब गरजे। पदयात्रा का नेतृत्व जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट ने किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक निवर्तमान प्रदेश महासचिव अवधेश सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही नहीं कल पूरे देश के श्रमिक संगठनों और मजदूरों के हित में कार्य करने वाले सामाजिक संस्थाओं ने भी पूरे देश में नए मनरेगा कानून के विरोध में बंद रखा था। इसका व्यापक असर देखा गया। सरकार से मांग है कि श्रमिक विरोधी वीबी जी राम जी योजना को निरस्त करते हुए कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई पुरानी मनरेगा योजना को वापस लाए। जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट ने कहा कि डेढ़ महीने से जनपद में अभी तक 30 से ज्यादा मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत जनसंवाद का आयोजन किया गया है, जिसका परिणाम पदयात्रा में

मनरेगा मजदूरों की बड़ी संख्या में भागीदारी से सामने आया है। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष झिनकू चौधरी, त्रिभुवन मिश्रा एवं शरद सिंह बबलू ने कहा कि इस मनरेगा ने कोरोना जैसे भीषण त्रासदी में भी जब सभी रोजगार धंधे बंद हो गए थे, तब गांव में रोजगार पैदा करके गरीबों की रक्षा की। उस मनरेगा कानून को सरकार समाप्त करना चाहती है। पूर्व प्रत्याशी एवं वरिष्ठ नेता शरदेंदु पांडे एवं सदामोहन उपाध्याय ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने 2024 की लोकसभा चुनाव के घोषणा पत्र में इस बात का ऐलान किया कि कांग्रेस की सरकार आने पर मनरेगा मजदूरों की मजदूरी 400 की जाएगी। इस मौके पर प्रमोद पांडे, मनरेगा प्रभारी कपिल देव शुक्ला, किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विनीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष विनोद सिंह, जय प्रकाश लाल, गंगाजल चौरसिया, राजन शुक्ला, पूर्णमासी यादव, नूर आलम, शिवपूजन, गोपाल शाही, श्रमिक नेता यूपी सिंह, राम बहादुर सिंह, चंद्रजीत भारती, राम नारायण प्रसाद, यंत्री प्रसाद मौर्य, ह्रदय नारायण पांडेय, चंदन तिवारी, बख्शीस अली, अफजल अब्बासी, जहीर खान, हरिकेश पटेल, आनंद कन्नौजिया, दिनेश यादव, उमेश साहनी, रुद्र नाथ द्विवेदी, राजेंद्र प्रसाद, तेज बहादुर पांडेय, हरि लाल भारती, गोवर्धन प्रसाद, यूसुफ अंसारी, जलालुद्दीन अंसारी, इनायत खान, इसरार खान, मनव्वर अली, जावेद खान, इंद्र मणि यादव, रविन्द्र राय, अभय मणि त्रिपाठी, किरण देवी, संध्या भारती, पुनीता देवी, मनसा देवी सहित मनरेगा मजदूर एवं किसान पदयात्रा में शामिल रहे।

अवैध आधार कार्ड बनाने वाले सेंटर पर पुलिस का छापा, दो गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के ग्राम बेरवा बनकटवा टोला मणिपुर चौराहे पर स्थित एक ग्राहक सेवा केंद्र पर गुरुवार को पुलिस की छापेमारी के बाद अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश हो गया। एक बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र पर चल रहे फर्जीवाड़े ने पुलिस की कार्रवाई के बाद चर्चा का बाजार गर्म कर दिया है। वहीं, नेपाल सीमा होने की वजह से सुरक्षा एजेंसियां भी चौकन्ना हो गई हैं। मौके से पकड़े गए दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। किस तरह के लोगों को आधार कार्ड बनाकर जारी किया गया है, इसकी जांच शुरू हो गई है।

शुक्रवार को सीओ अंकुर गौतम ने इसका खुलासा किया। इस ग्राहक सेवा केंद्र की आड़ में आधार कार्ड बनाने के फर्जीवाड़ा में लगे सक्रिय गिरोह फर्जी आधार कार्ड बनाकर मोटी रकम कमा रहे थे। सीओ ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में पकड़े गए आरोपी सूर्य नारायण निवासी दुर्गापुर थाना नौतनवा एवं धिरज चौरसिया निवासी एकमा लक्ष्मीपुर थाना पुरंदरपुर ने बताया कि कुछ दिन पहले ही यूट्यूब के जरिए एक वीडियो देखा था। इसमें एक नंबर पर कॉल करने के बाद उसे आधार कार्ड बनाने के लिए पासवर्ड एवं आईडी उपलब्ध कराई गई थी। इसके बदले यूपीआई के जरिए उस व्यक्ति को पैसा भेजा जाता था। फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले सेंटर पर छापेमारी के बाद पुलिस सक्रिय गिरोह की कुंडली खंगालने में जुटी हुई है। सुरक्षा एजेंसियां हुई सजग भारत–नेपाल सीमा पर अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाने का मामला सामने आते ही सुरक्षा एजेंसियां भी चौंकन्ना हो गई हैं। नेपाल सीमा पर फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का नेटवर्क कहां तक जुड़ा हुआ है? यह जानने के लिए जांच शुरू हो गई है। नारायण नामके शख्स के आईडी व पासवर्ड का इस्तेमाल नारायण साहू नाम के व्यक्ति का आईडी व पासवर्ड इस्तेमाल कर अवैध तरीके से आधार कार्ड का फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। पुलिस की जांच में अभी कई और चौंकाने वाले खुलासे सामने आ सकते हैं। पुलिस की छापेमारी के दौरान ग्राहक सेवा केंद्र से एक लैपटॉप, एक बायोमेट्रिक मशीन, यूएसबी केबल, मोबाइल फोन, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस एवं कैश भी बरामद हुए हैं। सीओ अंकुर कुमार गौतम ने बताया कि अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। लैपटॉप के साथ अन्य उपकरण भी बरामद हुए हैं। फर्जी तरीके से आधार कार्ड बनाए जाने का मामला सामने आया है। दोनों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने रोकी कांग्रेस की पद यात्रा, घंटों चला जद्दोजहद

संवाददाता–श्रावस्ती। मनरेगा का नाम बदले जाने के बाद से ही कांग्रेस की ओर से मनरेगा बचाओ अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न आयोजन कर सरकार के निर्णय का विरोध हो रहा है। श्रावस्ती में मनरेगा बचाव को लेकर कांग्रेस की ओर से निकाली गई पदयात्रा को पुलिस ने रोक दिया। घंटों चले जद्दोजहद के बाद पदयात्रा सम्पन्न हुई। मनरेगा बचाओ कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को कांग्रेस पाटी की ओर से जिलाध्यक्ष विद्यामणि त्रिपाठी की अगुवाई में पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा की शुरुआत बंठिहवा चौराहे से हुई। भुजंगा गांव से पहले पुलिस ने पदयात्रा को रोक दिया और परमीशन न लेने का हवाला दिया।

इस बाद पर जद्दोजहद शुरू हो गई। पुलिस की ओर से यात्रा रोके जाने से आक्रोशित पाटी कार्यकर्ता व पदाधिकारी सड़क पर धरने पर बैठ गए साथ ही सरकार के विरुद्ध नारेबाजी करने लगे। पुलिस की ओर से सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई। जिसके बाद भिनगा एसडीएम व सीओ मौके पर पहुंचे। जिनके बीच बातचीत के बाद यात्रा को आगे जाने दिया। यात्रा का समापन जिला मुख्यालय भिनगा में हुआ। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मनरेगा को कमजोर किया जा रहा है। जिसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आज यह पदयात्रा निकाली गई थी। वहीं मनरेगा बचाव संघर्ष समिति के जिला प्रभारी पंडित अमन पांडेय ने कहा कि भाजपा की रैलियों में यही पुलिस आगे पीछे चलती है। लेकिन कांग्रेस की पदयात्रा को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह राहुल गांधी देश भर में गरीबों, मजदूरों और किसानों की आवाज उठा रहे हैं, उसी संकल्प के साथ कांग्रेस पार्टी मनरेगा की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। पदयात्रा में यात्रा प्रभारी अनुज सिंह, पूर्व प्रदेश सचिव चंद्रशेखर मिश्रा, असलम, चंद्रपाल सिंह यादव, इमरान मलिक, पंकज वर्मा समेत अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

एआरएम की मनमानी के खिलाफ रोडवेज कर्मियों का चक्का जाम, बसों के पहिए थमे, प्रदर्शन

संवाददाता–बलरामपुर। रोडवेज डिपो में एआरएम गोपीनाथ दीक्षित की कार्यशैली के विरोध में शुक्रवार को कर्मचारियों ने चक्का जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मियों का आरोप है कि एआरएम द्वारा लगातार मनमानी और शोषण किया जा रहा है, जिससे कर्मचारी मानसिक दबाव में काम करने को मजबूर हैं।

इसी तनाव के बीच परिचालक विपिन कुमार शुक्ला की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश और बढ़ गया। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने एआरएम पर भ्रष्टाचार के भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि बिना किसी स्पष्ट कारण के कर्मचारियों पर दबाव बनाया जाता है और अनुचित कार्रवाई की धमकी दी जाती है। इससे कार्य का माहौल खराब हो गया है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

कर्मचारियों के चक्का जाम के कारण डिपो से एक भी बस का संचालन नहीं हो सका। बसें खड़ी रहने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्री घंटों तक बसों का इंतजार करते रहे जबकि कुछ को निजी साधनों का सहारा लेना पड़ा। कर्मचारियों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करने और कार्यस्थल पर शोषण की शिकायतों का समाधान करने की मांग की है। रोडवेज बस कर्मियों का आक्रोश बढ़ रहा है। सुबह से चल रहे चक्का जाम से यात्रियों को भी परेशानी का सामना उठाना पड़ रहा है। सुबह उन्हें निजी टैक्सियों का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष की कैद, 35 हजार जुर्माना

संवाददाता–श्रावस्ती। वर्ष 2013 से विचाराधीन एक दुष्कर्म मामले में न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया। दुष्कर्म आरोपित को दोषी करार देते हुए न्यायालय ने 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 35 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। गिलौला थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती ने 27 अप्रैल 2013 में गिलौला थाने में तहरीर दिया था। आरोप लगाया था कि 26 अप्रैल की रात वह अपने कमरे में सो रही थी। रात करीब एक बजे गांव के ही छोटकऊ पुत्र स्वामी खुली झांकी से अंदर आया और अंदर से दरवाजा खोल लिया। इसके बाद उसे जबरन उठा ले गया और गांव के बाहर खेत में लेजाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया था। साथ ही पुलिस की ओर से आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। मामले का विचारण न्यायालय में चल रहा था। अभियोजन पक्ष की पैरवी कर रहे अभियोजक प्रेम कुमार मिश्र ने बताया कि मामले की सुनवाई अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश, एससीएसटी एक्ट की अदालत पर हुई। उन्होंने बताया कि न्यायाधीश अवनीश गौतम ने शुक्रवार को आरोपित छोटकऊ को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 35 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

नव दिवसीय सप्तम अश्वमेध महायज्ञ में गरीबों को कंबल वितरण, गूंजी राम जन्म की महिमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या के एसडीएम के मार्गदर्शन में मातेश्वरी परिवार द्वारा आयोजित नव दिवसीय सप्तम अश्वमेध महायज्ञ का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस महायज्ञ के दौरान कुष्ठ गरीब और असहायों के लिए एक विशेष कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें एडीएम अयोध्या की उपस्थिति में गरीब और बेसहारा लोगों को कंबल वितरित किए गए। यह आयोजन एक सामाजिक और धार्मिक पहल थी, जिसके तहत अयोध्या के विभिन्न कुष्ठ आश्रमों और गरीब बस्तियों में रहने वाले लोगों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल दिए गए।

समारोह की शुरुआत ब्रह्म मुहूर्त में यज्ञ हवन से हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने शांति, समृद्धि और सुख–शांति की कामना की। यज्ञ स्थल पर माहौल अत्यंत आध्यात्मिक था और सभी श्रद्धालु भगवान श्रीराम के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करने के लिए उपस्थित थे। इस अवसर पर मातेश्वरी परिवार और यज्ञ आयोजन समिति ने सुनिश्चित किया कि कोई भी गरीब और असहाय व्यक्ति इस पुण्य अवसर से वंचित न रहे। शाम के सत्र में, सद्गुरु भगवान ने भगवान श्रीराम के जन्म के साथ उनके बाल लीलाओं का अद्भुत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के जन्म के बाद सभी देवी–देवता उनके दर्शन के लिए आए थे और उन सभी ने भगवान के रूप और शक्ति का आशीर्वाद लिया। सद्गुरु भगवान ने कहा कि भगवान शिव के अंदर भी भगवान श्रीराम के प्रति विशेष जिज्ञासा उत्पन्न हुई थी और वह काग भुशुंडी के साथ अयोध्या पहुंचे थे। सद्गुरु ने अयोध्या के महात्म्य का वर्णन करते हुए कहा कि यहाँ भगवान श्रीराम का जन्म हुआ और यह स्थान पूरी दुनिया के लिए श्रद्धा और भक्ति का केंद्र बन गया।कार्यक्रम में सभी धार्मिक और सामाजिक संगठन ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। श्रद्धालुओं के बीच इस यज्ञ का महत्व बढ़ता गया और उन्होंने इस अवसर का लाभ उठाया। एडीएम अयोध्या ने भी इस मौके पर अपने आशीर्वाद दिए और लोगों से धार्मिक और सामाजिक कर्तव्यों का पालन करने का आह्वान किया।इस धार्मिक महायज्ञ का आयोजन अयोध्या में एक अद्वितीय घटना के रूप में दर्ज किया जाएगा, जो न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से, बल्कि सामाजिक भलाई के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण था।

चला विशेष स्वच्छता अभियान,नागरिकों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

संवाददाता–श्रावस्ती। नगर पालिका परिषद भिंगा की ओर से स्वच्छ भिनगा, सुंदर भिनगा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत लोगों को अपने आसपास साफ सफाई का संकल्प दिलाया जा रहा है और विशेष साफ सफाई कराई जा रही है। इस अभियान के तहत शुक्रवार को वार्ड संख्या 20 नई बाजार में विशेष सफाई एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र में व्यापक सफाई कराई गई और स्थानीय नागरिकों व व्यापारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के तहत बाजार क्षेत्र में उपस्थित लोगों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा गीले और सूखे कचरे को अलग अलग रखने के बारे में बताया गया। अधिकारियों ने बताया कि घरों और दुकानों से निकलने वाले कचरे को अलग–अलग करके नगर पालिका की कचरा संग्रहण गाड़ी में ही डालें, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके।

गलत हरकत करने पर पति के साथ मिलकर की थी अधेड़ की हत्या

संवाददाता–बहराइच। दरगाह इलाके के रहबा विशुनपुर में अधेड़ बड़कऊ की हत्या उसकी आश्रिक मिजाजी के चलते हुई थी। युवती पर गलत निगाह रखने, समझाने पर भी हरकतें न छोड़े जाने पर युवती व उसके पति ने बहाने से खेत पर बुला हंसिए व ईंट से हमला कर मौत के घाट उतार फरार हो लिए थे। पुलिस ने कातिल दम्पत्ति को गिरफ्तार करते हुए हत्या में प्रयुक्त हंसिए, ईंट, खून सने कपड़े बरामद कर लिए है। दरगाह थाने के शिवनपुर रहबा गांव निवासी बड़कऊ पुत्र पहाड़िया का शव गुरुवार शाम मक्के के खेत मिला था। उसके शरीर पर धारदार हथियार के हमले के निशान थे।

मृतक की पत्नी ने गांव के ही जसवंत व उसकी पत्नी नीलम को नामजद कर हत्या की धाराओं के तहत केस दर्ज कराया गया था। एसपी रामनयन सिंह ने गिरफ्तारी को तीन टीमें गठित की थी। एएसपी सिटी अशोक सिंह ने पुलिस टीमों की प्रगति पर निगाह जमाए थे। शुक्रवार को दरगाह एसएचओ रामाज्ञा सिंह को हत्या में शामिल दोनो पति पत्नी के सायफन के पास होने की सूचना मिली जिसके बाद उप निरीक्षक भानु प्रताप सिंह ,अनूप मणि त्रिपाठी , उमेश चन्द्र, सिपाही सूर्यभान यादव , विवेक यादव व महिला कांस्टेबल शशि पांडे के साथ धेराबंदी कर कातिल दमफझको गिरफ्तार कर लिया गया ।

प्रेमिका के साथ घर से भागा बेटा, नाले में मिली पिता की लाश, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

संवाददाता—गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक अधेड का शव नाले में मिलने से सनसनी फैल गई। चित्रकूट टोला के पास चौरहिया नाला में उतराता हुआ शव दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही बुजुर्ग का बेटा मोहल्ले में रहने वाली प्रेमिका को लेकर भाग गया था। पुलिस ने शव की पहचान 50 वर्षीय राजाराम के रूप में की, जो जंगल डुमरी नंबर एक के नारायण टोला के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी भिजवा दिया है। दोपहर बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। बताया जा रहा है कि राजाराम का घर घटनास्थल से करीब 500 मीटर की दूरी पर है। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, राजाराम मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनकी चार बेटियां और दो बेटे हैं। बताया जा रहा है कि उनका एक बेटा गुलरिहा इलाके की ही एक युवती को लेकर भाग गया है। इस घटना के बाद से परिवार पर युवती के घरवालों का दबाव बताया जा रहा था। इसी कारण राजाराम अपने पूरे परिवार के साथ घर में ताला लगाकर कहीं चले गए थे। पिछले 24 घंटे से घर पर ताला लटका हुआ था, जिसे लेकर मोहल्ले में तरह–तरह की चर्चाएं चल रही थीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिछिया कल्याण मंडपम की आज देंगे सौगात

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर महानगर निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के लोगों के मांगलिक और पारिवारिक आयोजनों के लिए एक वर्ष के भीतर महानगर में चार कल्याण मंडपम का लोकार्पण कर चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पांचवें कल्याण मंडपम का लोकार्पण करेंगे। इस कल्याण मंडपम का निर्माण बिछिया में किया गया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लोकार्पण समारोह के मद्देनजर गोरखपुर विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने सचिव पुष्पराज सिंह, ओएसडी प्रखर उत्तम, मुख्य अभियंता किशन सिंह, अधिशासी अभियंता राकेश प्रताप, सहायक अभियंता राज बहादुर सिंह समेत अन्य के साथ निरीक्षण किया। जरुरी दिशा निर्देश दिए। आनंद वर्द्धन ने पूरे परिसर की साफ सफाई के साथ सजावट के निर्देश दिए। बिछिया में गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विधायक निधि से 1120 वर्गमीटर क्षेत्रफल में कल्याण मंडपम (कन्वेंशन सेंटर) का निर्माण किया है। इस कल्याण मंडपम में 300 व्यक्तियों के विभिन्न कार्यक्रमों (विवाह, सामाजिक उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामूहिक उत्सव आदि) का आयोजन किए जा सकते हैं। कल्याण मंडपम में एक बड़े हाल के साथ किचन, स्टोर, तथा महिलाओं एवं पुरुषों के लिए अलग–अलग शौचालय की व्यवस्था है। शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। यह पहल विशेष रूप से उन परिवारों के लिए राहतकारी सिद्ध हो रही है, जो आर्थिक सीमाओं के कारण महंगे मैरिज हाउस का खर्च वहन करने में असमर्थ थे। इससे सामाजिक आयोजनों का आर्थिक बोझ कम हो रहा है। प्रत्येक वर्ग को गरिमापूर्ण आयोजन का अवसर मिल रहा है। यह पहल सरकार की समावेशी और संवेदनशील विकास नीति का भी परिचायक है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब दो साल पहले गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) और नगर निगम को यह विजन दिया था कि वे निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों को उनके मांगलिक आयोजनों के लिए कल्याण मंडपम बनाकर मैरिज हाउस का बेहतरीन विकल्प दें। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सूबे का पहला कल्याण मंडपम खोराबार में निर्मित और लोकार्पित हुआ। कल्याण मंडपम की पहल के साथ ही मुख्यमंत्री ने अपनी विधायक निधि से धनराशि की व्यवस्था भी कराई। वर्तमान में 63 जनपदों में 66 कल्याण मंडपम बनाए गए हैं। जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्धन बताते हैं कि फरवरी 2025 से लेकर फरवरी 2026 तक कल्याण मंडपम का लोकार्पण मुख्यमंत्री के हाथों हो चुका है। 2.47 करोड़ रुपये से बने पांचवें का लोकार्पण शनिवार 14 फरवरी को जंगल तुलसीराम वार्ड के बिछिया मोहल्ले होगा।

3 फरवरी 2025 को खोराबार में 4.71 करोड़ रुपये बने पहले कल्याण मंडपम, 6 जून को सूरजकुंड में 4.52 करोड़ रुपये और 22 अगस्त को मानबेला में 2.65 करोड़ रुपये की लागत और इसी दिन राप्तीनगर विस्तार क्षेत्र के टोला पीरू शहीद में 85 लाख रुपये से बने कल्याण मंडपम लोकार्पित हुए।

जंगल बेनीमाधव, बशारतपुर, नकहा नंबर दो, महादेव झारखंडी टुकड़ा नम्बर दो और सेमरा में भी कल्याण मंडपम निर्माणाधीन हैं। कल्याण मंडपम बनाने का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को विवाह, तिलक, मुंडन और अन्य सामाजिक–सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए किफायती दरों पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर खाली कराकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया

संवाददाता—अयोध्या। शुक्रवार को कचहरी परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही दोपहर करीब पौने एक बजे बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और एहतियातन पूरे परिसर को खाली करा दिया गया। बम निरोधक दस्ता और स्निफर डॉग्स की टीम के साथ सघन तलाशी अभियान चलाया गया। सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। सभी अदालत कक्षों को खाली कराते हुए अधिवक्ताओं के बस्तों और परिसर में मौजूद सामान की जांच की गई। फिलहाल किसी भी संदिग्ध वस्तु या अप्रिय घटना की पुष्टि नहीं हुई है। कचहरी परिसर स्थित एक फोटोस्टेट की दुकान के पास मिले लावारिस झोले की भी जांच की गई। सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और तलाशी अभियान लाया।

अयोध्या के अलावा वाराणसी कचहरी, इलाहाबाद हाईकोर्ट और प्रदेश के कई जिलों के न्यायालय परिसरों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने सिलसिलेवार 18 धमाके करने की बात कही थी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया और आनन–फानन में कचहरी परिसर को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दिया था।

वाराणसी में सूचना मिलते ही पुलिस उपायुक्त (वरुणा जोन) प्रमोद कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। कचहरी परिसर को तत्काल खाली कराया जा रहा है तथा सभी अधिवक्ताओं को घर लौटने की अपील की जा रही है। इस मामले में सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विवेक शंकर तिवारी ने बताया कि जिला जज संजीव शुक्ला के ई–मेल पर धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ था। जिला जज स्वयं फोर्स के साथ परिसर को खाली कराया। अधिवक्ताओं से अपील की गई है कि परिसर में कोई भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। कचहरी में आने–जाने वालों की गहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक लावारिस अटैची मिलने से सनसनी और बढ़ गई। बम डिस्पोजल दस्ते की टीम उसकी जांच में जुटी है। कचहरी के साथ ही कलक्ट्रेट के सभी कार्यालय और रजिस्ट्री दफ्तर भी खाली कराया गया।

ब्लाक स्तरीय सुगमकर्ताओं के कार्यशाला का हुआ समापन

—कार्यशाला में जो सिखाया गया उसे बच्चों के बीच में करे प्रेषित— अर्जुन प्रसाद वर्मा

—भारतीय बस्ती संवाददाता— संतकबीरनगर (पौली)। ब्लाक संसाधन केंद्र पौली के सभागार में स्पेशल प्रोजेक्ट फॉर इक्विटी के तहत मीना मंच और पॉवर एंजिल के सशक्तिकरण ,नेतृत्व क्षमता और जीवन कौशल शिक्षा को विकसित करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के आत्म विश्वास व नेतृत्व क्षमता बढाने पर विशेष बल दिया गया। कार्यशाला के समापन कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रजज्वलित कर किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने कहा कि इस प्रशिक्षण से बच्चों मे आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, जागरुकता व जीवन कौशल का विकास करना है। हमारे सभी शिक्षक प्रतिभावान है। यहां जो सिखाया जा रहा है उसे बच्चों के बीच में प्रेषित करे। इस चुनौती के दौर धैर्य और लगन से शिक्षण कार्य करें। कार्यशाला मे प्रतिभागियों को जेंडर स्टीरियो टाइप, कॉमिक बुक का निर्माण, प्रगति के पंख,अरमान माड्यूल, आदर्श मीना मंच व प्रशिक्षण से जुड़ी अपेक्षाएं एवं चुनौतियों पर संदर्भदाताओं ने विस्तार से चर्चा किया। कार्यशाला का संचालन मास्टर ट्रेनर संध्या तिवारी व शशिकला ने किया। मुख्य अतिथि ने कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी शिक्षकों को प्रमाण पत्र सौपा।

कार्यशाला में शिक्षक एकता त्रिपाठी, मनीषा मिश्रा, गरिमा यादव, पूनम देवी, सीमा, उर्मिला देवी, पूनम देवी, अर्चना उपाध्याय, माया, सुमन मौर्या, तारा किरन, स्मिता, राजपति, जय प्रकाश मिश्र, वृजभषण, अनिल कुमार, अलाउद्दीन, सोनू यादव सहित तमाम शिक्षक मैजूद रहे।

18.96 करोड़ की जीएसटी कर चोरी का खुलासा, दो आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

संवाददाता—संतकबीरनगर। पुलिस ने जीएसटी कर चोरी और धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई एसटीएफ यूनिट नोएडा के सहयोग से की गई। सीओ अमित कुमार ने प्रेस वार्ता में पूरे प्रकरण का खुलासा किया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान संदीप कुमार निवासी हरित विहार, बुराड़ी (नॉर्थ दिल्ली) और अमन उपाध्याय निवासी संतनगर, बुराड़ी (नॉर्थ दिल्ली) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 02 लैपटॉप, 03 मोबाइल फोन, 4650 रुपये नकद, 10 सिम कार्ड, 02 मोहर, 01 आधार कार्ड और 01 पैन कार्ड बरामद किए हैं। बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी। मामले की शुरुआत 03 जुलाई 2025 को हुई, जब सहायक आयुक्त, राज्य कर खंड–1 संतकबीरनगर अरविंद कुमार ने थाना कोतवाली खलीलाबाद में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, श्री यादव इंटरप्राइजेज द्वारा बिना वास्तविक माल की खरीद–बिक्री के फर्जी इनवॉइस तैयार कर मई 2025 में दाखिल जीएसटी रिटर्न में लगभग 18.96 करोड़ रुपये की बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट पास कराई गई। साथ ही 18.96 करोड़ रुपये से अधिक की आईटीसी क्लेम की गई। जांच में सामने आया कि अभियुक्तों ने श्री अल्फा इंटरप्राइजेज, गुरुग्राम और सर्वश्री राधे इंटरप्राइजेज, दिल्ली जैसी फर्जी फर्मों का संचालन कर करोड़ों रुपये के राजस्व को नुकसान पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक, पूरा नेटवर्क फर्जी बिलिंग और बिना वास्तविक आपूर्ति के जीएसटी क्रेडिट हासिल करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा था। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों की तलाश की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस प्रकरण में और भी खुलासे हो सकते हैं।

महात्मा गांधी चौक से से अंबेडकर चौक तक गूंजा मनरेगा बचाओ का नारा

संवाददाता—गोरखपुर। महात्मा गांधी की प्रतिमा से पूर्व मुख्यमंत्री की प्रतिमा तक नारों और जनसमर्थन के बीच कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ संग्राम पदयात्रा निकालकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। जिला एवं महानगर कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस पदयात्रा में पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। शुक्रवार सुबह 11:30 बजे टाउनहाल स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा से पदयात्रा की शुरुआत हुई। यह पदयात्रा गणेश चौक होते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह की प्रतिमा तक पहुंची। इसके बाद जुलूस अंबेडकर चौक की ओर रवाना हुआ, जहां सभा के साथ पदयात्रा का समापन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी और महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद ने संयुक्त रूप से किया। जिला समन्वयक मनरेगा बचाओ मंच राजकुमार पासवान ने बताया कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने के प्रयासों के खिलाफ यह मनरेगा बचाओं संग्राम पदयात्रा आयोजित की गई है। पदयात्रा में जिला एवं महानगर कांग्रेस के सभी पदाधिकारी, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस और पार्टी के वरिष्ठ नेता सक्रिय रूप से शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए जीवनरेखा है और इसे बचाने के लिए पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

फिर चला एडीए का बुलडोजर, 600 बिस्वा में कराई गई अवैध प्लाटिंग की गई ध्वस्त

संवाददाता—अयोध्या। विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर आठ में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ फिर चला एडीए का बुलडोजर। शुक्रवार को प्रवर्तन दल की टीम ने लगभग 600 बिस्वा में कराई गई अवैध प्लाटिंग ध्वस्त किया। एडीए की ओर से चलाए जा रहे ध्वस्तीकरण अभियान के तहत यह कार्रवाई हो रही है। फिर भी अवैध प्लाटिंग की संख्या में कमी नहीं आ रही है। सोहावल चौराहे के निकट दो अलग–अलग स्थानों पर लगभग 50 – 50 बिस्वा और बेनीपुर गांव के निकट 300 और 200 बिस्वा में कराई गई अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई हुई है। कार्रवाई की चपेट में आई अवैध प्लाटिंगो का ले–आउट प्राधिकरण से स्वीकृत नहीं था।

सचिव हेम सिंह ने बताया कि प्राधिकरण की ओर से नवविस्तारित क्षेत्र में हो रही अवैध प्लाटिंग के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। बताया कि अब तक जितनी अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया, उसमें किसी का भी ले–आउट विकास प्राधिकरण से स्वीकृत नहीं कराया गया था। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से प्रापर्टी डीलरों एवं भूस्वामी को भी एडीए से लेआउट स्वीकृत बगैर किसी भी तरह का निर्माण न कराने के लिए अपील की जाती है। ऐसे में अवैध प्लाटिंग कर वह मनमानी कर रहे हैं। हेम सिंह कहते हैं कि प्राधिकरण से ले–आउट स्वीकृत कराए बगैर हो रही है अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान जारी है। इस दौरान प्राधिकरण के विस्तारित क्षेत्र में मिलने वाली अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कराया जा रहा है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0—
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0—2006
अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला सिद्धार्थनगर

कन्हैया लाल
बनाम
लालमन आदि

1. इसलावती पत्नी मनगाढू 2. जीत पुत्र जियावन 3. मनगाढू पुत्र कृपाल ग्राम उड़वलिया तप्पा कोडरी परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 20—02—2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 02 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0—73
अदालत— श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी बस्ती जिला—बस्ती

ऊषा शुक्ला
बनाम
अशो कुमार आदि

बनामः— 1. अशोक कुमार सिंह ग्राम करमैनी पोस्ट मेंहदावल जिला संतकबीरनगर हाल मुकाम मकान नं—763 न0प0प0 गांधीनगर आवास विकास कालोनी जिला बस्ती 2. नीलेश सिंह 3. विकास सिंह पुत्रगण श्यामधर सिंह साकिन खम्हरिया सुजात तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 20—02—2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 02 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 07 माह 02 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0—69 / 2024
अदालत— श्रीमान द्वितीय अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती

पुरूषोत्तम
बनाम
विवेकानन्द पाण्डेय

बनामः— 1. महेन्द्र पुत्र महातम 2. अवधेश पुत्र प्रमात्मा निवासीगण मौजा भदेश्वरनाथ डा0 मिश्रौलिया कोठी तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 11—03—2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 11 महीना 03 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (ज0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—60 / 2015

रामसुरेश आदि
बनाम
नजमुद्दीन आदि

1 / 1 मकबूल उम्र लगभग 55 साल 1 / 2 उसमान उम्र लगभग 51 साल 1 / 3 शमसेर उम्र लगभग 43 साल पुत्रगण नजमुद्दीन 2 / 1 मकसूद उम्र लगभग 52 साल पुत्र नयमुद्दीन 3 / 1 जुबेर अहमद उम्र लगभग 45 साल 3 / 2 मेंहदी हसन उम्र लगभग 42 साल 3 / 3 कमरूजमा उम्र लगभग 32 साल 3 / 4 दिल हसन उम्र लगभग 28 साल पुत्रगण असीउल्लाह साकिनान मौजा जिभियांव तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 13—03—2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 13 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0— 321 / 2019

जवाहर लाल
बनाम
ओम प्रकाश आदि

1. ओम प्रकाश उम्र 60 साल 2. जुगुन उम्र 62 वर्ष 3. श्रीप्रकाश उम्र 65 वर्ष पुत्रगण झोझारे 4. भवानीफेर उम्र 65 वर्ष पुत्र पुजारी 5. उर्मिला पत्नी दीनदयाल 6. सत्यदेव मिश्र उम्र 20 वर्ष पुत्र दीनदयाल 7. अभय कुमार मिश्र उम्र 18 वर्ष पुत्र दीनदयाल 8. गौरांशी उम्र 12 वर्ष पुत्री दीनदयाल निवासीगण साकिन विशुनपुरा तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

9. पारसनाथ पुत्र सलट उर्फ महादेव उम्र 72 वर्ष निवासी विशुनपुरा तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 09—03—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0— 64 / 2025

अजीज अहमद आदि
बनाम
रामतौल आदि

1. रामतौल उम्र लगभग 37 साल पुत्र चन्दी प्रसाद साकिन भटहा जंगल तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती जनपद बस्ती 3. चौकी इंचार्ज दक्षिण दरवाजा थाना पुरानी बस्ती जिला बस्ती

—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

4. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी बस्ती 5. अकबाल अहमद उम्र लगभग 50 साल पुत्र सज्जाद हुसैन निवासी मौजा बस्ती खास मुहल्ला दक्षिण दरवाजा हाल मुकाम कस्बा मेहदावल मुहल्ला ठाकुर द्वारा तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 6. श्रीमती रफीकुन्निशा उम्र लगभग 65 साल बेवा अनवर अली (मृतक) 7. श्रीमती किस्मतुन्निशा उम्र लगभग 46 साल पुत्री अनवर अली पत्नी डा0 वकार अहमद साकिनान मौजा बस्ती खास मुहल्ला दक्षिण दरवाजा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

—प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 12—03—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 12 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0— 138 / 2022

मुनीराम
बनाम
श्रीमती सुशीला देवी आदि

1. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी लालजी सोनी साकिन मौजा बारीजोत तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती 2. श्रीमती रीता देवी पत्नी कमलेश कुमार वर्मा 3. श्रीमती आरती देवी पत्नी प्रमोद कुमार साकिन मौजा रूधौली कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 06—04—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com